फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी

just रिपोर्टर
justreporter.jaipur@patrika.com

जयपुर. फ्रांस में रहकर जिंदगी के पहलूओं को जाना और समझा लेकिन दिल फिर भी हिंदुस्तानी है। यह कहना है इंडो फ्रैंच सिंगर रश्मिकांत मोनीन का। सोमवार को उन्होंने जयपुर में अपनी म्यूजिक एलबल ' फिल्स दी हिमाल्याज' की लांचिंग की। इस एलबम में उन्होंने इंडियन कल्चर और कलर्स को डिफरेंट अंदाज में पेश किया है। उनकी यह एलबम इंडिया और यूरोप के बीच का एक ब्रिज है। जिसमें सांग्स की लेंग्वेज तो फ्रेंच है लेकिन इसके साथ हिन्दी और इंग्लिश वर्ड्स को भी यूज किया है। जिससे फ्रेंच और इंडियन लोग एलबम से खुद को रिलेट कर पाऐं। एलबम में 11 सांग्स का कलेक्शन है, जिसमें राजस्थान, मैसूर, उड़िसा, बंगाल के रंगों को समेटा गया है। एलबम में सत्यम शिवम सुन्दरम का स्प्रिच्यूल टच भी है और सांवरिया की प्रेम कथा भी है। कुछ सांग्स की शूटिंग राजस्थान के विश्नोइ समाज के लोगों पर है।

बचपन से क्रेज

रश्मिकांत ने बताया कि मुझे बचपन से ही सिंगिंग का शौक रहा यही कारण है, मैने 14 साल की उम्र में ही गिटार बजाना और गाना शुरू कर दिया था। यह एलबम पूरी तरह से इंडियन कल्चर को डेडिकेटेड है।